SURVANDITA SANGEET SADHANA KENDRA

1. संगीत :- गायन, वादन एवं नृत्य के मिले - जुले रूप को संगीत कहते हैं l
2. अलंकार :- स्वरों के श्रृंखलाबद्ध चलन को अलंकार कहते हैं l
3. श्रुति :- जो कुछ भी कानों द्वारा सुना जा सके, श्रुति कहलाती है l
4. एक सप्तक में कुल 22 श्रुतियाँ हैं, इन्हीं 22 श्रुतियों में से विद्वानों ने मुख्य 12 श्रुतियों को चुन लिया जिन्हें स्वर कहते हैं l
5.

सा	रे	रे	ग	ग	म	मे	प	ध	ध	नि	नि
4		3		2	4		4		3		2

   कुल :- 22 श्रुतियाँ
6. एक सप्तक के अंर्तगत असंख्य नाद हैं l

   नाद दो प्रकार के होते हैं :-

   (i) आहत नाद :- अग्नि और वायु के घर्षण से जो नाद उत्पन्न होता है उसे आहत नाद कहते हैं l

   Note :- संगीत का संबंध इसी नाद से है l

   (ii) अनाहत नाद :- अनाहत नाद हमारे शरीर के अंदर बराबर कार्यरत रहती है l
7. नाद की तीन विशेषताएँ हैं :-
   * नाद का छोटा अथवा बड़ा होना
   * नाद की ऊँचाई अथवा निचाई
   * नाद की जाति अथवा गुण
8. स्वर :- मनुष्य और प्राणी के कंठ से अथवा पदार्थ पर आघात पड़ने पर उत्पन्न होने वाली ध्वनि को स्वर कहते हैं l
9.

सा	षड्ज	मोर
रे	ऋषभ	गाय
ग	गंधार	बकरी
म	मध्यम	क्रौंच/ सारस
प	पंचम	कोयल
ध	धैवत	घोड़ा
नि	निषाद	हाथी